अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : प्रथम – जैन धर्म परिचय (परीक्षा 24 जुलाई, 2016)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	कुल योग
प्राप्तांक						
पूर्णांक	10	10	10	28	42	100
पुनः जाँच						

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- 10x1 = (10)

(a) जैन धर्म में देव कहते हैं-

(क) आचार्य को (ख) अरिहंतों को

(ग) उपाध्याय को (घ) साधुओं को ( )

(b) जिस अक्षर पर अनुस्वार (ं) है, उसके आगे 'य' होने पर अनुस्वार का उच्चारण करेंगे-

(क) ञ् (ख) ण्

(ग) म् (घ) ड्. ( )

(c) एक सामायिक व्रत ग्रहण करने का समय है -

(क) 40 मिनट (ख) 60 मिनट

(ग) 48 मिनट (घ) 24 मिनट ( )

(d) सामायिक के दोष है -

(क) 10 (ख) 12

(ग) 22 (घ) 32 ( )

(e) दसवाँ बोल है -

(क) कर्म-8 (ख) गुणस्थान-14

(ग) प्राण-10 (घ) उपयोग-12 ( )

(f) घ्राणेन्द्रिय के विषय हैं -

(क) 5 (ख) 2

(ग) 3 (घ) 8 ( )

(g) भगवान महावीर के माता-पिता का स्वर्गवास हुआ तब भगवान महावीर की आयु थी-

(क) 28 वर्ष (ख) 42 वर्ष

(ग) 12 वर्ष (घ) 30 वर्ष ( )

(h) 'नवकार मंत्र है महामंत्र' प्रार्थना के रचयिता हैं-

(क) आचार्य मानतुंग (ख) आचार्य हस्ती

(ग) अशोक मुनिजी (घ) गौतम मुनिजी ( )

(i) 16 वें तीर्थंकर का नाम हैं-

(क) मुनिसुव्रतजी (ख) शान्तिनाथजी

(ग) नमिनाथजी (घ) धर्मनाथजी ( )

(j) धर्म का मूल है -

(क) विनय (ख) ज्ञान

(ग) मान (घ) पाप ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1=(10)**

(a) अरिहंत किसी पर प्रसन्न होते हैं, नाराज होते हैं, वरदान देते हैं, अभिशाप देते हैं। ( )

(b) धर्म साधना में जाति-पाति का भेद नही हैं। ( )

(c) प्राकृत भाषा में 'क्ष' अक्षर होता है। ( )

(d) सामायिक ग्रहण करने का पाठ करेमि भंते का पाठ है। ( )

(e) धर्म को अधर्म श्रद्धे तो मिथ्यात्व। ( )

(f) इन्द्रियां पाँच होती हैं। ( )

(g) भगवान महावीर भोगों में आसक्त थे। ( )

(h) 'हो लाख बार प्रणाम तुम्हें' प्रार्थना पंक्ति के रचयिता श्री दर्शनमुनिजी म.सा. थे। ( )

(i) चौबीस तीर्थंकरों में अन्तिम तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ थे। ( )

(j) जुआ खेलना महापाप है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1=(10)**

(a) मुझे राग-द्वेष का विजेता होने से जिन कहते हैं। .....

(b) मैंने अगार एवं अणगार धर्म की प्ररूपणा की। .....

(c) मैं सामायिक पारने का पाठ हूँ। .....

(d) मैं चौबीस तीर्थंकरों की स्तुति करने का पाठ हूँ। .....

(e) मैं गुरुवन्दन का पाठ हूँ। .....

(f) मैं पच्चीस बोल का दूसरा बोल हूँ। .....

(g) मेरा अभिग्रह राजकुमारी चंदनबाला ने पूरा किया। .....

(h) श्रीपाल, सुदर्शन और मयणरेहा ने मेरा जप कर आनंद पाया। .....

(i) मैं आठवां तीर्थंकर हूँ। .....

(j) मैं पाँच अभिगम में तीसरा अभिगम हूँ। .....

प्र.4 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में लिखिए **14x2=(28)**

(a) गुरु हमें क्या देते हैं?

.....

.....

(b) अणगार धर्म का दूसरा नाम क्या है?

.....

.....

(c) एयस्स नवमस्स पाठ में बोली जाने वाली चार विकथाओं के नाम लिखिए।

.....

.....

(d) **आधे अक्षर सम्बन्धी उच्चारण शुद्धि के कोई दो नियम लिखिए।**

.....

.....

(e) **सामायिक किसे कहते हैं?**

.....

.....

(f) **धर्म की एक उपयुक्त परिभाषा लिखिए।**

.....

.....

(g) **जैन किसे कहते हैं?**

.....

.....

(h) **पांच शरीर के नाम लिखिए।**

.....

.....

(i) **नवमें बोल के आधार पर दर्शन के भेदों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(j) **रसनेन्द्रिय के पांच विषयों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(k) **भगवान महावीर को केवल ज्ञान कहाँ पर प्राप्त हुआ?**

.....

.....

(l) **भगवान महावीर का अन्तिम चातुर्मास कहाँ हुआ?**

.....

.....

(m) **उवज्झायाणं ..... स्वस्थ बनाता है। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

(n) **जो पाप ..... नन्दन ज्ञानी की। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए : - **14x3=(42)**

(a) **नमस्कार मंत्र में पहले अरिहंतो को नमस्कार क्यों किया गया है?**

.....

.....

.....

.....

(b) **जैन साधु कितने महाव्रत का पालन करते हैं? अर्थ सहित नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(c) **तीर्थ किसे कहते हैं?**

.....

.....

.....

.....

(d) **रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-**

सुविहिं च .....

.....वंदामि।

कुंथुं .....

.....वद्धमाणं च।

(e) **लोगहिआणं ..... सरणगईपइट्ठाणं। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(f) **जे मे जीवा ..... किलामिया। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(g) **तेरहवें बोले मिथ्यात्व के दस भेद में से प्रथम छः भेद लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(h) **श्रोत्रेन्द्रिय के 3 विषय व 12 विकार लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(i) **चौदह गुणस्थान के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(j) **भगवान महावीर के उपसर्गों को लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(k) **कुव्यसन का अर्थ लिखिए। 'जुआ' कुव्यसन को विस्तार से समझाइए।**

.....

.....

.....

.....

(l) **श्रीपाल ..... मंगलकारी है। रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(m) **विनय से क्या लाभ हैं? कोई तीन लाभ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(n) **भगवती सूत्र में बताये गये विनय के सात भेदों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....